विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – षष्ठ   दिनांक -22- 01 -   2022

विषय -हिन्दी   विषय शिक्षक - पंकज कुमार

सुप्रभात् बच्चों आज शब्द विचार के बारे में पुनः अध्ययन करेंगे।

शब्द विचार

शब्द की परिभाषा

एक या एक से अधिक वर्णों से बनी हुई स्वतंत्र सार्थक ध्वनि शब्द है। जैसे- एक वर्ण से निर्मित शब्द- न (नहीं) व (और) अनेक वर्णों से निर्मित शब्द-कुत्ता, शेर, कमल, नयन, प्रासाद, सर्वव्यापी, परमात्मा आदि।

व्याकरण में वह शब्द जिससे किसी व्यापार का होना या किया जाना सूचित होता है।

व्युत्पत्ति (बनावट) के आधार पर शब्द-भेद

1. **रूढ़**
2. **यौगिक**
3. **योगरूढ़**

रूढ़: जो शब्द किन्हीं अन्य शब्दों के योग से न बने हों और किसी विशेष अर्थ को प्रकट करते हों तथा जिनके टुकड़ों का कोई अर्थ नहीं होता, वे रूढ़ कहलाते हैं। जैसे-कल, पर। इनमें क, ल, प, र का टुकड़े करने पर कुछ अर्थ नहीं हैं। अतः यह निरर्थक हैं।

यौगिक: जो शब्द कई सार्थक शब्दों के मेल से बने हों,वे यौगिक कहलाते हैं। जैसे- देवालय=देव+आलय, राजपुरुष=राज+पुरुष, हिमालय=हिम+आलय, देवदूत=देव+दूत आदि। ये सभी शब्द दो सार्थक शब्दों के मेल से बने हैं।

योगरूढ़: वे शब्द, जो यौगिक तो हैं, किन्तु सामान्य अर्थ को न प्रकट कर किसी विशेष अर्थ को प्रकट करते हैं, योगरूढ़ कहलाते हैं। जैसे-पंकज, दशानन आदि। पंकज=पंक+ज (कीचड़ में उत्पन्न होने वाला) सामान्य अर्थ में प्रचलित न होकर कमल के अर्थ में रूढ़ हो गया है। अतः पंकज शब्द योगरूढ़ है। इसी प्रकार दश (दस) आनन (मुख) वाला रावण के अर्थ में प्रसिद्ध है।

अर्थ की दृष्टि से शब्द-भेद

1. सार्थक
2. निरर्थक

उत्पत्ति के आधार पर शब्द-भेद

1. तत्सम
2. तद्भव
3. देशज
4. विदेशज